भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3336

जिसका उत्तर 23 मार्च, 2022 को दिया जाना है।

2 चैत्र, 1944 (शक)

एसएसडीजी और ई-गवर्नेंस

3336. डॉ. टी. सुमति(ए) तामिझाची थंगापंडियन:

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 27 मिशन मोड परियोजनाओं और परियोजना के 8 घटक सहित राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) की वर्तमान स्थिति का राज्य-वार ब्यौरा क्या हैं;

(ख) क्या सरकार ने गत पांच वर्षों में तमिलनाडु में राज्य डेटा केंद्रों के प्रभावी प्रबंधन और कार्यकरण के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु कोई कदम उठाए है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या कोविड-19 महामारी के दौरान डेटा के आदान-प्रदान के लिए राज्य ई-गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी गेटवे (एसएसडीजी) का उपयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबधी राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ड) मोबाइल ई-गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी गेटवे के तहत मोबाइल उपकरणों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली सरकारी सेवाओं का राज्य-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क): देश में ई-शासन परियोजनाओं को लागू करने के लिए 18 मई, 2006 को राष्ट्रीय ई-शासन योजना (एनईजीपी) को मंजूरी दी गई थी। चौदहवें वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुसार हस्तांतरण में 32% से 42% की वृद्धि के बाद, एनईजीपी को वित्तीय वर्ष 2015-16 से संघ के समर्थन से अलग कर दिया गया है। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार ने डिजिटल अभिगम, डिजिटल समावेशन, डिजिटल सशक्तिकरण और डिजिटल विभाजन को पाटना सुनिश्चित करके भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने की दृष्टि से 1 जुलाई 2015 को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम शुरू किया है।

राष्ट्रीय ई-शासन योजना ने देशभर में राज्य डेटा केंद्र (एप्लिकेशन डेवलपमेंट होस्टिंग के लिए एसडीसी), स्टेट-वाइड एरिया नेटवर्क (सम्बयद्धता हेतु स्वान), स्टेट पोर्टल, राज्ये सेवा वितरण गेटवे (एक राज्य में एकीकृत सेवाओं के लिए) और सामान्य सेवा केंद्र (इलाके के पास सेवाओं के लिए सीएससी) जैसे आवश्यक डिजिटल बुनियादी ढांचे की स्थापना की है। 34 स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (स्वान) और 30 स्टेट डाटा केंद्र (एसडीसी) को प्रचालनरत कर दिया गया है। राज्य ई-शासन वितरण गेटवे (एसएसडीजी) को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है। नागरिकों को कभी भी, कहीं भी सार्वजनिक सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए, एमईआईटीवाई ने जन-सामान्य् को ई- शासन सेवाओं तक अभिगम हेतु सक्षम बनाने के लिए देश भर में 4.63 लाख सीएससी (शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों सहित) की स्थापना की है। इन सीएससी द्वारा 400 से अधिक डिजिटल सेवाओं की पेशकश की जा रही है। क्षमता निर्माण योजना के तहत, केंद्र, राज्य/संघ राज्ये क्षेत्रों के 12,900 से अधिक सरकारी अधिकारियों को डिजिटल इंडिया / ई-शासन कार्यक्रमों में प्रशिक्षित (नीति, कार्यक्रम और परियोजना स्तर) किया गया है।

एनईजीपी के तहत मिशन मोड परियोजनाओ (एमएमपी(और ई-शासन पहल के कार्यान्व यन ने फरवरी 2022 तक 4020+ सेवाओं की प्रदायगी की है। पासपोर्ट, आयकर, सड़क परिवहन, एमसीए 21, कृषि, ई-कोर्ट, भूमि रिकॉर्ड, पीडीएस आदि ने आईसीटी की परिवर्तनकारी क्षमता का प्रदर्शन किया और सेवा वितरण में उल्लेखनीय सुधार किया। ई-जिला मिशन मोड परियोजना और सामान्य सेवा केंद्रों के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में और गांवों में सामान्यन नागरिकों के लिए उनके इलाके में बुनियादी सेवाओं का समूह उपलब्ध हो गया है।

(ख) और (ग): तमिलनाडु राज्य सरकार ने पिछले पांच वर्षों के दौरान राज्य डेटा केंद्रों के प्रबंधन और कामकाज के लिए केंद्र सरकार से कोई सहायता नहीं मांगी है।

(घ) : राज्य सेवा वितरण गेटवे (एमएसडीजी) परियोजना का उद्देश्य सामान्यल सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से नागरिकों को सुगम और सुविधाजनक ई-सेवाएं प्रदान करके एनईजीपी के विज़न को पूरा करना है न कि डेटा का आदान-प्रदान करना। मार्च 2017 में परियोजना को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।

(ड.) : मोबाइल ई-शासन सेवा प्रदायगी गेटवे (एमएसडीजी) सभी सरकारी विभागों को मोबाइल आधारित प्रदायगी चैनलों जैसे एसएमएस, आईवीआरएस, मोबाइल एप्लिकेशन आदि के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं की पेशकश करने के लिए मोबाइल शासन के उद्देश्य से एक एकीकृत मंच है। विभिन्न सेवाओं के लिए वर्ष-वार या राज्य-वार विवरण (जहां संभव हो) **अनुबंध** में दिया गया है।

****

अनुबंध

मोबाइल ई-गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी गेटवे (एमएसडीजी): वार्षिक एसएमएस भेजा गया:

क्र.सं.	वर्ष	पुश एसएमएस भेजा गया
1.	2012	1,70,97,598
2.	2013	55,34,77,889
3.	2014	1,67,73,02,387
4.	2015	4,87,85,07,737
5.	2016	5,52,12,35,234
6.	2017	7,18,43,68,197
7.	2018	6,08,01,46,619
8.	2019	66,1,51,52,892
9.	2020	6,19,70,22,202
10.	2021	4,83,67,68,830

विभागों की संख्या और भेजे गए एसएमएस (राज्यवार):

क्र.सं.	केंद्र/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	विभागों के खातों की संख्या	पुश एसएमएस की संख्या
1.	महाराष्ट्र	1307	8,27,65,10,81
2.	केंद्रीय	413	167,98,48,493
3.	मध्य प्रदेश	248	2,35,42,96,927
4.	राजस्थान	163	2,10,62,78,378
5.	बिहार	147	3,21,17,63,234
6.	कर्नाटक	138	2,67,79,8216
7.	पीएसयू (केंद्रीय और राज्य)	139	72,90,51,064
8.	पश्चिम बंगाल	50	53,40,37,840
9.	गुजरात	115	39,96,93,276
10.	उड़ीसा	60	39,63,40,135
11.	झारखंड	87	38,59,42,372
12.	दिल्ली	10	32,83,37,200
13.	हरियाणा	87	30,12,40,357
14.	हिमाचल प्रदेश	384	27,82,26,063
15.	कर्नाटक	138	26,77,98,216
16.	छत्तीसगढ	83	25,71,58,621
17.	उत्तर प्रदेश	17	9,98,79,949
18.	चंडीगढ़	60	4,95,07,156
19.	लक्षदीप	2	2,57,68,264
20.	मिजोरम	2	83,74,397
21.	अण्डमान और निकोबार	31	80,43,342
22.	पांडिचेरी	9	54,10,015
23.	उत्तरांचल	10	42,61,056
24.	मेघालय	7	21,72,745
25.	नगालैंड	21	18,67,065
26.	अरुणाचल प्रदेश	1	5,21,048
27.	गोवा	1	3,03,699
28.	दादर और नगर हवेली	1	2,42,096

29.	जम्मू और कश्मीर	6	2,23,374
30.	सिक्किम	3	2,02,526
31.	मणिपुर	4	1,40,908
32.	असम	5	13,842
33.	दमन और दीव	1	7,944
34.	लद्दाख	1	12

ऐप्स की संख्या (राज्यवार):

क्र.सं.	राज्य	ऐप्स की संख्या
1.	सभी राज्य (किसी भी राज्य सेवा के लिए समर्पित नहीं)	817
2.	अण्डमान और निकोबार	6
3.	आंध्र प्रदेश	17
4.	अरुणाचल प्रदेश	3
5.	बिहार	32
6.	चंडीगढ़	3
7.	छत्तीसगढ	3
8.	दिल्ली	11
9.	गोवा	6
10.	गुजरात	3
11.	हरियाणा	7
12.	हिमाचल प्रदेश	34
13.	झारखंड	6
14.	कर्नाटक	5
15.	केरल	8
16.	मध्य प्रदेश	7
17.	महाराष्ट्र	34
18.	मणिपुर	6
19.	मेघालय	6
20.	मिजोरम	2
21.	नगालैंड	1
22.	उड़ीसा	5
23.	पांडिचरी	3
24.	पंजाब	19
25.	राजस्थान	14
26.	सिक्किम	13
27.	तमिलनाडु	10
28.	तेलंगाना	1
29.	उत्तर प्रदेश	9
30.	पश्चिम बंगाल	14

आईवीआरएस गणना (विभाग-वार):

क्र.सं.	विभाग का नाम	आईवीआरएस गणना
1	मोबाइल सेवा आईवीआरएस सेवाएं	79,35,789
2	मोबाइल सेवा तकनीकी सहायता कॉल सेंटर	4,927
3	स्वास्थ्य, चिकित्सा सेवा आयुक्तालय, गुजरात	4,87,401
4	कृषि मंत्रालय, भारत सरकार	13,81,497
5	आईटी और सी विभाग, सरकार। राजस्थान के	4,84,143
6	मीडिया लैब एशिया	16,32,387
7	पुलिस विभाग, भोपाल, मध्य प्रदेश	1,580

8	रीजनल स्टेट बोर्ड ऑफ टेक एजुकेशन, औरंगाबाद	307
9	खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हिमाचल प्रदेश	4,21,035
10	मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद	73,752
11	लोक सेवा के लिए राज्य एजेंसी, भोपाल, एमपी	11,08,389
12	विकासपीडिया सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ़ एडवांस कंप्यूटिंग हैदराबाद	3,46,057
13	कलेक्टर कार्यालय धार	7,044
14	एडवांस कंप्यूटिंग के विकास के लिए केंद्र, पुणे	3
15	आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा	1,42,033
16	इंटेलिजेंट कम्युनिकेशन सिस्टम्स इंडिया लिमिटेड	3
17	जिलाधिकारी एवं कलेक्टर, मालदा	3
18	सीडीएसी कोलकाता	5
19	भाकृअनुप-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान	794
20	पशुपालन विभाग	1
21	आपदा प्रबंधन	3,42,899
22	लोक सेवाओं के लिए राज्य एजेंसी	10
23	वसई विरार शहर नगर निगम	37
24	सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा	1,763
25	सूचना प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार	378
26	गृह विभाग, हावड़ा पुलिस	61,978
27	राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र	1
28	बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण	5
29	सूचना एवं प्रचार निदेशालय	1,91,38,355

****